दिन– सोमवार दिनांक– 30 / 09 / 2024

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– प्रातः 08.48 बजे से। अवधिः– 15 मिनट

---

01. प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गम्भीर हुई। सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, दरभंगा और शिवहर जिले में सात तटबंध टूटे। एक सुरक्षा बांध भी ध्वस्त।

02. कोसी और गंडक नदी में उफान से सोलह जिले की चार लाख से अधिक की आबादी बाढ़ की चपेट में। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की बारह–बारह टीमें बचाव अभियान में जुटीं।

03. मॉनसून के कमजोर पड़ने से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आयी। आज कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की सम्भावना।

04. और, केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को आयुष्मान भारत योजना के तहत सत्तर वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों का नाम दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गम्भीर हो गयी है। कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कमला बलान और महानंदा समेत कई छोटी नदियों के जलस्तर में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान उत्तर बिहार में सात तटबंध टूट गये। इसमें सीतामढ़ी के तीन तथा पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, दरभंगा और शिवहर के एक–एक शामिल हैं। पश्चिम चम्पारण में एक सुरक्षा बांध भी ध्वस्त हो गया है। हमारे सीतामढ़ी संवाददाता ने बताया कि तटबंधों के टूटने के बाद दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं।

———बाईट———

जिले के बेलसंड प्रखंड के मधकौल में बागमती नदी का तटबंध अस्सी फीट में टूट गया है। इससे एक लाख से अधिक की आबादी प्रभावित हुई है। वहीं, रून्नीसैदपुर के रूपौली और तिलकताजपुर में भी बागमती का तटबंध टूट गया है। तटबंधों के टूटने से सैकड़ों एकड़ खेत में लगी फसल क्षतिग्रस्त हो गयी है। जिला प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इधर, जिले में बागमती नदी पांच स्थानों पर लाल निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, लालबकैया नदी बैरगनिया के बोहाबाड़ी और अधवारा नदी सुंदरपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। आकाशवाणी समाचार के लिए सीतामढ़ी से राजेश कुमार।

इधर, दरभंगा जिले के किरतपुर प्रखंड के भूभोल के पास कोसी नदी का पश्चिमी तटबंध लगभग दस फीट में टूट गया है। ब्यौरा हमारे संवाददाता से––

———बाईट———

तटबंध के टूटने के कारण किरतपुर प्रखंड के वरदीपुर सिरनिया, पकड़िया, अमृत नगर, लक्ष्मीपुर, भंडरिया, कदवारा, कटरिया और राम खेतरिया सहित दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। लोग अपनी घरों की छतों पर

शरण लेने को मजबूर है। एन डी आर एफ की टीम आज प्रभावित क्षेत्र मे पहुँच रही है जो राहत बचाव कार्य में लग जाएगी। इधर, कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड में भी बाढ़ का पानी फैल गया है। इटहर पंचायत के चौकिया तथा लक्ष्मिनियां गांव बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। जिला प्रशासन की ओर से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम लगातार जारी है। आकाशवाणी समाचार के लिए दरभंगा से मणिकांत झा।

मधुबनी से हमारे संवाददाता ने बताया कि मधेपुर प्रखंड क्षेत्र के बसीपट्टी, बकुआ, भरगामा, द्वालख और महपतिया समेत दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। इधर, शिवहर जिले के तरियानी छपरा गांव के पास देर शाम बागमती नदी का पश्चिमी तटबंध टूट गया। और ब्यौरा हमारे संवाददाता से

———बाईट———

शिवहर के एसडीओ अविनाश कुणाल ने बताया कि बागमती नदी का पश्चिमी तटबंध करीब 20 फीट में टूट गया है और इसका दायरा लगातार बढ़ रहा है। जलसंसाधन विभाग की ओर से टूटे तटबंध की मरम्मती का काम लगातार जारी है। इधर, तटबंध का पानी लगातार फैलता जा रहा है। कुम्हरार, लदौरा, गंगाधरमपुर सहित अन्य गांव की ओर पानी फैलने लगा है। ग्रामीणों के अनुसार बाढ़ का पानी सीतामढ़ी जिले के डुमरा सरपट्टी हसर बलुआ होते हुए मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की तक जा सकती है। प्रशासन की ओर से बचाव और राहत अभियान जारी है। आकाशवाणी समाचार के लिए शिवहर से हरिकांत सिंह।

बेतिया से हमारे संवाददाता ने बताया कि सिंघाडी पिपरिया के खैरटवा गांव के पास गंडक नदी पर बना चम्पारण तटबंध टूट गया है। तटबंध टूटने के बाद निगरानी और समन्वय में कोताही बरतने के आरोप में बगहा बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता निशिकांत कुमार को निलंबित कर दिया गया है। एक रिपोर्ट–

———बाईट———

गंडक नदी के बढ़ते दबाव के चलते सिंघाडी पिपरिया के खैरटवा गांव के पास चम्पारण तटबंध के टूट जाने से एक दर्जन से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गये हैं। तटबंध टूटने से रतवाल, चंद्रपुर, भिराड़ी, पतीलार, लक्ष्मीपुर, सीतापार, चौनपुर, मौजा टोला सहित चार पंचायतों के करीब दो दर्जन गांवों के बाढ़ की चपेट में आने की आशंका है। प्रभावित गांवों से लोगों का पलायन शुरू हो गया है। इधर, स्थानीय लोगों ने जल संसाधन विभाग की लापरवाही से तटबंध टूटने का आरोप लगाया है। जिले के अन्य हिस्सों में भी गंडक नदी का पानी लगातार फैल रहा है। आकाशवाणी समाचार के लिए बेतिया से अशीष कुमार।

इधर, पूर्वी चम्पारण जिले के तटवर्ती क्षेत्रों में भी लगातार बाढ़ का पानी नये इलाकों में फैल रहा है। गंडक नदी के बढ़ रहे जलस्तर से मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज, सरैया और पारू प्रखंड के कई गांवों में बाढ़ का पानी फैल गया है। इधर, कोसी नदी का पानी सुपौल, सहरसा और मधेपुरा जिले के नये इलाकों में फैल रहा है। सुपौल से हमारे संवाददाता ने बताया कि नदी के कई स्परों और नाजुक बिन्दुओं पर दबाव बढ़ा हुआ है।

———बाईट———

भीमनगर कोसी बराज से पानी के डिस्चार्ज में कमी आने के बावजूद नदी का पानी लगातार नये इलाकों में फैल रहा है। जिले के पांच प्रखंडों– सुपौल सदर, किशनपुर, निर्मली, सरायगढ़ भपटियाही और मरौना बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं। प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार बचाव अभियान चला रही है। राहत शिविर और सामुदायिक रसोई घर का भी संचालन शुरू कर दिया गया है। इधर, जल संसाधन विभाग के अनुसार कोसी नदी पूर्वी और पश्चिमी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित है और जिन बिन्दुओं पर रिसाव हो रहा था उसे भी दुरूस्त कर लिया गया है। आकाशवाणी समाचार के लिए सुपौल से रविशंकर चौधरी।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर, नवहट्टा, महिषी और सलखुआ प्रखंड बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं। बाढ़ प्रभावित गांवों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से लगातार बचाव और राहत अभियान जारी है। इस बीच, आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोलह जिलों के इकतीस प्रखंडों की एक सौ बावन पंचायतों में चार लाख से अधिक की आबादी बाढ़ की चपेट में आ चुकी है। ब्यौरे के साथ हैं हमारी संवाददाता।

–––बाईट–––

पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, पूर्णियां, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सारण, सीवान और गोपालगंज जिले में बाढ़ प्रभावित आबादी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। आबादी को सुरक्षित निकालने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की बारह–बारह टीमें तैनात की गयी है। इसके अलावा एनडीआरएफ की तीन टीमों को वाराणसी से बुलाया गया है। प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की ओर से तैंतालीस राहत शिविर और अठारह सामुदायिक रसोई घर संचालित किये जा रहे हैं। मोबाईल चिकित्सा दल और बोट एम्बुलेंस के माध्यम से लोगों तक आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। इधर, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बाढ़ की आपदा से निपटने के लिए राज्य सरकार को केन्द्र से हर सम्भव सहायता का आश्वासन दिया है। श्री राय ने कल पटना में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर वायु सेना की मदद से बाढ़ पीड़ितों को एयर लिफ्ट किया जायेगा और बाढ़ प्रभावितों के बीच राहत सामग्री भी पहुंचायी जायेगी। आकाशवाणी समाचार के लिए पटना से मैं डॉ0 सविता पारीक।

मॉनसून के कमजोर पड़ने से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आयी है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की सम्भावना है। वहीं, राज्य के उत्तर–पश्चिम हिस्सों में एक दो स्थानों पर मेघगर्जन के साथ वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गयी है।

केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को आयुष्मान भारत योजना के तहत सत्तर वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों का नाम दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में सभी राज्यों को पत्र निर्गत किया है। पत्र में कहा गया है कि योजना का लाभ लेने वाले वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान भारत मोबाईल एप या वेब पोर्टल के माध्यम से अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं। उम्र का निर्धारण आधार कार्ड से किया जायेगा। नामांकन के लिए

आधार कार्ड ही एक मात्र आवश्यक दस्तावेज होगा। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार ने सत्तर वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत के दायरे में लाने का फैसला किया है। इसके तहत पांच लाख रूपये प्रति वर्ष तक का स्वास्थ्य बीमा दिया जायेगा।

और अब प्रस्तुत है स्वच्छता ही सेवा श्रृंखला के तहत आकाशवाणी समाचार की विशेष प्रस्तुति। आज की कड़ी में बेगूसराय जिले की रिपोर्ट–

–––रिपोर्ट–––

राज्य के सत्ताईस जिलों में प्रस्तावित वृद्धाश्रम का संचालन जीविका दीदियां करेंगी। जीविका के विशेष कार्य पदाधिकारी राजेश कुमार ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की देखभाल और रसोई का जिम्मा जीविका दीदी के पास होगा।

अभी–अभी प्राप्त जानकारी के अनुसार आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के बाढ़ प्रभावित सोलह जिलों में एनडीआरएफ की बारह और एसडीआरएफ की बाईस टिमों को लगाया है। साथ ही एनडीआरएफ की तीन टीम वारणसी और तीन टीम रांची से आ गयी है।

कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के बरहुली गांव के पास तीर्थयात्रियों से भरी एक बस सड़क किनारे खड़ी हाईवा से टकरा गयी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि दस अन्य घायल हो गये।

गया जंक्शन और स्टेशन रोड स्थित एक होटल में रेल पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को लगभग तिरेपन लाख रूपये के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक जमशेदपुर का रहने वाला है।

नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के भगवतपुर गांव में मजदूरी का पैसा मांगने पर लोगों ने एक श्रमिक की पीट–पीट कर हत्या कर दी। मृतक की पत्नी ने इस मामले में तीन लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है।

समस्तीपुर जिले के हलई थाना क्षेत्र अन्तर्गत ररियाही पंचायत में अपराधियों ने एक पॉल्ट्रीफार्म व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी।

अब पटना से प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्रों की सुर्खियां.......

आज के सभी समाचार पत्रों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में बाढ़ की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

हिन्दुस्तान की सुर्खी है– बगहा में गंडक, बेलसंड में बागमती तटबंध टूटा।

प्रभात खबर ने इसी खबर का शीर्षक दिया है– उत्तर बिहार के बीस जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ा।

एक देश एक चुनाव को तीन विधेयक संभावित, दैनिक जागरण की प्रमुख खबर है।

आज अखबार ने लिखा है– एक ही विज्ञापन से सितम्बर दो हजार पांच के बाद नियुक्त शिक्षकों को भी मिलेगी पुरानी पेंशन।

राष्ट्रीय सहारा और दैनिक भास्कर समेत सभी समाचार पत्रों ने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर............

01. प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गम्भीर हुई। सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, दरभंगा और शिवहर जिले में सात तटबंध टूटे। एक सुरक्षा बांध भी ध्वस्त।
02. कोसी और गंडक नदी में उफान से सोलह जिले की चार लाख से अधिक की आबादी बाढ़ की चपेट में। एनडीआरएफ की बारह और एसडीआरएफ की बाईस टीमें बचाव अभियान में जुटीं।
03. मॉनसून के कमजोर पड़ने से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कमी आयी। आज कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की सम्भावना।
04. और, केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को आयुष्मान भारत योजना के तहत सत्तर वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों का नाम दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।